साप्ताहिक
Live not just breaTHE

दि कार्मिक पोस्ट

MPHIN/2015/63220
MP/IDC1528/22-23

Global School Of Excellence, Obedullaganj

वर्ष : 8, अंक : 37 | (प्रति बुधवार), इन्दौर, 3 मई 2023 से 9 मई 2023 | पेज : 8 | कीमत : 3 रुपये

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने कीचड़ प्रबंधन और 'ऑनलाइन सतत प्रवाह निगरानी प्रणालियों' पर कार्यशाला का आयोजन किया

कीचड़ को देश के लिए सोने की खान के रूप में देखें- डीजी, एनएमसीजी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक श्री जी. अशोक कुमार ने 2 मई 2023 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'ऑनलाइन सतत प्रवाह निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) - मुद्दे, चुनौतियां और आगे की राह' और 'कीचड़ प्रबंधन - मुद्दे, चुनौतियां और आगे की राह' विषयों पर हुई कार्याशालाओं की अध्यक्षता की। इन कार्यशालाओं में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए), राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय (एनआरसीडी), राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों, शोधकर्ताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों आदि ने हिस्सा लिया। 'गंगा बेसिन में एसटीपी/ईटीपी की विभिन्न श्रेणियों में ऑनलाइन सतत प्रवाह निगरानी प्रणाली के लिए आवश्यक मानदंडों और व्यवहार्य प्रौद्योगिकियां स्थापित करने' और 'सुरक्षित और कुशल कीचड़ प्रबंधन की विशेषताओं का वर्णन और नीतिगत रूपरेखा दिशानिर्देशों के निर्धारण' से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

ओसीईएमएस कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर विचार व्यक्त करते हुए श्री जी. अशोक कुमार ने विश्वसनीय और अनुकरण किए जाने योग्य डेटा के लिहाज से कार्यशालाओं के महत्व पर जोर दिया। श्री अशोक कुमार ने कहा, नमामि गंगे के तहत 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें से 29,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं सीवरेज प्रबंधन के लिए हैं। ये बड़े निवेश हैं और अगर हम इनके परिणामों के बारे में नहीं जाते हैं तो तो यह सही नहीं है। उन्होंने कहा, नमामि गंगे को प्राकृतिक दुनिया को पुनर्जीवित करने के लिए दुनिया के शीर्ष 10 प्रमुख बहाली परियोजनाओं में से एक के रूप में मान्यता के साथ विश्व हमें एक उदाहरण के रूप में देख रहा है। मार्च 2023 में न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विश्व जल सम्मेलन 2023 के दौरान भी नमामि गंगे कार्यक्रम में काफी दिलचस्पी देखने को मिली थी। श्री जी. अशोक कुमार ने कहा कि कार्यक्रम के परिणाम का अनुमान लगाने के लिए निरंतर निष्पक्ष और सुसंगत डेटा की रूपरेखा तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानव तत्व शोर को बढ़ाता है और डेटा को विकृत करता है, और हम सटीक आंकड़ों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व-निर्धारित मापदंडों की आवश्यकता पर जोर दिया जो स्रोत से सर्वर तक सटीक डेटा का संचार कर सकें। उन्होंने कहा, अंधाधुंध तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर मानवीय दखल से तबाही और अव्यवस्था पैदा हो सकती है। आकलन करने और राष्ट्रव्यापी मानदंड तैयार करने के संबंध में कई विचारों से स्रोत से एक टिकाऊ और उचित जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा, जब तक किसी चीज की निगरानी नहीं की जाती है, उसमें सुधार के लिए कुछ नहीं किया जा सकता है। अगर हम पानी की गुणवत्ता में सुधार करना चाहते हैं, तो इसकी निगरानी करनी होगी। निगरानी के लिए, सही डेटा को मापना होगा। एनएमसीजी के डीजी ने शिक्षाविदों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों से डेटा के स्रोत को मापने के लिए जरूरी मानदंडों को अंतिम रूप देने का आह्वान किया और कहा कि ये मानदंड क्रांतिकारी हो सकते हैं और विश्वसनीय और दोहराने योग्य होने तक इनके भारतीय मानकों तक ही सीमित रहने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, कहीं न कहीं किसी तकनीक की उपलब्धता सुनिश्चित होने तक मानदंडों को विश्वसनीय तरीके से मापा और प्रसारित किया जाना चाहिए। इसका निष्कर्ष यह है कि आपको दुनिया में कहीं से भी कोई प्रौद्योगिकी मिले, आकलन कीजिए कि आपको कौन से मानदंडों की जरूरत है। लेकिन आखिर में एक ऐसा समाधान लाने की जरूरत है जो बिना किसी पूर्वाग्रह, अंतर या डर के कंप्यूटर स्क्रीन पर एक टिकाऊ, विश्वसनीय और अनुकरण योग्य डाटा दे सकता हो और जमीनी स्तर की सही तस्वीर सामने रख सके। हाल में, एनएमसीजी ने प्रयाग (पीआरएवाईएजी) का शुभारम्भ किया, जिसका मतलब है प्लेटफॉर्म फॉर रियल टाइम एनालिसिस ऑफ यमुना, गंगा एंड देयर ट्रिब्यूटरीज।

200 अध्ययनों की समीक्षा- वाहनों के प्रदूषण से मृत्यु दर में आता है उछाल

नई दिल्ली। शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने वायु प्रदूषण पर लगभग 200 अध्ययनों की क्रमिक समीक्षा की है। उन्होंने वाहनों से होने वाले प्रदूषण से लंबी अवधि तक होने वाले खतरों और मृत्यु दर में वृद्धि के बीच एक मजबूत संबंध पाया है। शोधकर्ताओं में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, स्वास्थ्य विज्ञानी, प्रदूषण विशेषज्ञ और जैव सांख्यिकीविदों की टीम शामिल थी।

जैसा कि शोध टीम ने पाया और पूर्व में किए गए अध्ययनों से भी पता चलता है कि वायु प्रदूषण लोगों के लिए खतरनाक है, यह न केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है बल्कि कई तरह की बीमारियों को जन्म देता है। प्रदूषण से मनुष्य की आंख, त्वचा और आंत्र की समस्याएं भी होने की आशंका जताई गई है। जबकि प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर वायु प्रदूषण के प्रभाव की जांच करने वाले कई अध्ययनों ने वायु प्रदूषण में योगदान देने में मोटर वाहन यातायात की भूमिका पर भी गौर किया है, हालांकि ऐसे बहुत कम अध्ययन हैं जहां लोगों पर सिर्फ यातायात संबंधी प्रदूषण के प्रभाव को देखा गया है। इस नए प्रयास में, शोधकर्ताओं ने शोध अध्ययनों की तलाश में केवल उस पर गौर किया साथ ही कई जगहों की खोज की और उनमें से लगभग 200 अध्ययनों को शामिल किया। अध्ययनों के आंकड़ों का विश्लेषण कर, उन्हें देखने से शोधकर्ताओं ने पाया कि, अध्ययनों में काम अलग-अलग तरीकों से किए गए थे, कुछ ने एक ही टीम पर वाहनों के प्रदूषण के प्रभाव को देखा, उदाहरण के लिए, जैसे कि कैलिफोर्निया में शिक्षकों की टीम। अन्य ज्यादातर स्थानीय थे, बार्सिलोना और रोम जैसे शहरों को देखते हुए, जबकि अन्य ने जापान और डेनमार्क जैसे पूरे देशों को देखा। उन्होंने यह भी पाया कि इस तरह के अधिकांश अध्ययन एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे, लंबे समय तक वाहनों के प्रदूषण के संपर्क में रहने से मृत्यु दर में वृद्धि होने के आसार होते हैं। वाहनों के प्रदूषण से ज्यादातर मौतें फेफड़ों की बीमारियों जैसे कैंसर या सीओपीडी में वृद्धि के कारण होती है। लेकिन शोध टीम को कुछ और भी मिला, यह सिर्फ वाहनों का उत्सर्जन नहीं है जिसका स्वास्थ्य समस्याओं से गहरा संबंध है। टायरों और सड़क की सतहों के घिसने और यहां तक कि वाहनों पर ब्रेक लगाने से भी कणों को हवा में धकेला जाता है। उन्होंने यह भी पाया कि जब कार सड़क पर तेजी से चलती है तो धूल या गंदगी के कण हवा में मिल जाते हैं। इस प्रकार, भले ही कारों को विद्युत शक्ति या इलेक्ट्रॉनिक वाहनों में क्यों न परिवर्तित कर दिया जाए, फिर भी इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। दुनिया भर में सड़कों पर चलने वाली अरबों कारों से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए काम करने की आवश्यकता है। यह शोध एनवायरनमेंट इंटरनेशनल पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया पौध-रोपण

भोपाल मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में आम, जामुन और पीपल के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ बकरी छाप एग्रो टूरिज्म के संस्थापक श्री रूपेश राय ने पौधे रोपे। श्री राय चेंज, बिफोर क्लाइमेट चेंज के संदेश के साथ देश की साइकिल यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने यात्रा में अब तक 120 पंचायतों में पीपल और बरगद के पौधे लगाए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ रिटायर्ड कर्नल एम. के. त्यागी तथा सर्वश्री दीपक दुबे, अभिनव तिवारी, राहुल मंडल, राकेश अर्गल, राहुल अर्गल, सुश्री ममता तथा सोनम अर्गल ने पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ सामाजिक कार्यकर्ता सर्वश्री दीपक सोलंकी, विजय कुमार, तुषार सोलंकी, डॉक्टर देवीराम नरवरे और राधेश्याम पट्टाया ने भी पौध-रोपण किया।

समुद्री जीवन का 'सेंसस' क्योंकि समुद्र बचेंगे तो ही बचेगा पृथ्वी पर जीवन

इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, समुद्री जीवन के संरक्षण के लिए निप्पॉन फाउंडेशन और नेक्टन (यूके की एक शोध संस्था) के वैश्विक गठबंधन की ओर से समुद्र की गहराइयों में समुद्र में जीवन की संभावनाओं के अनदेखे पहलुओं को खोजने और उन्हें विलुप्त होने से बचाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसे 'ओशन सेंसस' नाम दिया गया है। यह अपनी तरह का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है और इसके तहत पहले एक दशक के दौरान समुद्री जीवन से संबंधित एक लाख नई प्रजातियों का पता लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के तहत मानव सभ्यता को जो भी नई जानकारियां हासिल होंगी, वे पृथ्वी पर जीवन की संभावनाओं के बारे में समझ को आगे बढ़ाने का और समुद्रों की पारिस्थितिकी को बचाने का काम करेंगी। क्योंकि यही पारिस्थितिकी सांस लेने के लिए हवा, जलवायु निर्धारण और अरबों जीवों की खाद्य जरूरतों के लिए जिम्मेदार है। 'ओशन सेंसस' अभियान के तहत वैज्ञानिकों ने बीते वर्ष 'डीप सी सबमर्सिबल' का इस्तेमाल कर मालदीव के तटों के पास कोरल रीफ की सेहत का परीक्षण भी किया था ताकि ओवरफिशिंग और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों का विश्लेषण किया जा सके। वैज्ञानिकों की आशंका है कि यदि समुद्री जीवन की खोज को तेज न किया गया तो एक समूची आबादी को हम बिना जाने खो देंगे।

साइकिल से दुनिया घूमने निकला जर्मनी का युवक-अब तक 21 देशों की कर चुका यात्रा, पर्यावरण संरक्षण का दे रहा संदेश

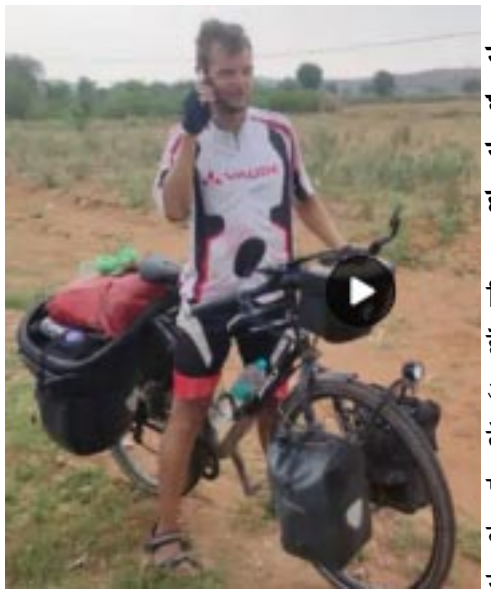

करौली जर्मनी निवासी 26 वर्षीय एलेक्स केम्पडोर्फ मनमर्जी से घूमने के लिए साइकिल से दुनिया नाप रहे है। साइकिल से एलेक्स अब तक 21 देश घूम चुके हैं। जर्मनी निवासी एलेक्स अपने मजबूत इरादों के दम पर देश दुनिया को घूमने अकेले साइकिल से निकले है। साइकलिंग करना एलेक्स का शौक बन गया है। साइकिलिंग के लिए उसने अपनी नौकरी भी छोड़ दी। एलेक्स के मुताबिक जहां तक संभव होता है वो अपना सफर बिना किसी रूकावट के साइकिल से ही तय करते हैं।

एलेक्स के अनुसार वो 15 महीन में अपनी साइकिल से अब तक 21 देशों की यात्रा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 25 हजार किलोमीटर की यात्रा साइकिल से की है। एलेक्स राजस्थान के करौली से रणथंभौर अभ्यारण की ओर निकले हैं। एलेक्स का कहना है कि वो जर्मनी से आस्ट्रेलिया तक पूरी दुनिया की यात्रा कर रहे है। इंडिया में वो अमृतसर के बाघा बॉर्डर से आए है। गोल्डन टेंपल, आगरा, लाल किला और ताजमहल देखने के बाद अब रणथंभौर के नेशनल पार्क जा रहे हैं। इसके बाद गोवा और कोच्चि, चेन्नई देखेंगे। एलेक्स के मुताबिक वो साइकिल से इसलिए अपना सफर तय कर रहे हैं क्योंकि पेट्रोल-डीजल से पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है। साइकिल से सफर के दौरान वो प्रकृति और लोगों के करीब रहते हैं, जहां मन करे वहां मनमर्जी से घूम सकते हैं। साइकिल के कारण ही वो भारत के प्राकृतिक नजारों का आनंद ले पाए हैं। एलेक्स का कहना है कि उन्हें भारत में इतने खूबसूरत प्राकृतिक नजारों को उम्मीद नहीं थी। एलेक्स ने बताया कि वो जर्मनी के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 26 साल है। साइकिलिंग से पहले वो आईटी प्रोफेशनल थे। उन्होंने साइकिलिंग के शौक के चलते अपनी जॉब भी छोड़ दी। आज शौक करने के लिए दुनिया घूमने निकले हैं। एलेक्स साइकिल यात्रा से पर्यावरण संरक्षण और सेहतमंद रहने का संदेश दे रहे हैं।

कम दबाव के चक्रवात में बदलने से दक्षिण भारत के इन हिस्सों में भारी बारिश के आसार

मुंबई। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना अत्यधिक कम दबाव क्षेत्र सोमवार को और मजबूत होकर चक्रवात में बदल गया है।

मौसम विभाग ने बताया कि, दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर बना दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 11 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग पश्चिम, उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। आज यानी 31 जनवरी, 2023 को समन्वित वैश्विक समय या यूटीसी के मुताबिक सुबह के समय यह दक्षिण-पश्चिम खाड़ी पर बना हुआ था। इसके आज, 31 जनवरी की शाम तक लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है। यह बंगाल से लगभग 380 किमी त्रिंकोमाली के पूर्व-दक्षिण पूर्व (श्रीलंका, 43418) और कराईकल से 610 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व (भारत 43346) में था। इसके 31 जनवरी के समन्वित वैश्विक समय या यूटीसी के अनुसार इसके 09ः00 बजे तक लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने का पूर्वानुमान है। इसके बाद, इसके धीरे-धीरे पश्चिम,दक्षिण-पश्चिम की ओर लौटने और एक फरवरी 2023 को यूटीसी के मुताबिक लगभग 06ः00 बजे तक श्रीलंका तट को पार करने की आशंका जताई गई है।

उपरोक्त तूफानी गतिविधि के चलते आज यानी 31 जनवरी को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने तथा बिजली गिरने की आशंका जताई है। वहीं एक फरवरी को दक्षिण तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तूफान के आसार से भारी बारिश की आशंका जताई गई है। इसके प्रभाव से मौसम विभाग ने मंगलवार को दक्षिण तटीय आंध्र और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। इसमें कहा गया है कि बुधवार से दो दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहेगा।

मछुआरों को समुद्र से दूर रहने की चेतावनी- उपरोक्त तूफानी गतिविधि को देखते हुए मौसम विभाग ने मछुआरों को चेतावनी जारी की है कि वे 31 जनवरी से दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में न जाएं और दो फरवरी तक दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका और दक्षिण तमिलनाडु और कराईकल तटों से दूर रहें। वहीं मौसम विभाग ने तमिलनाडु के तटों से दूर समुद्र में गए मछुआरों को 31 जनवरी तक तटों पर लौटने की भी सलाह दी है। वहीं आज, यानी 31 जनवरी को दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी और श्रीलंका तट पर 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तूफानी हवाओं के 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार में तब्दील होने के आसार हैं। मौसम संबंधी उपरोक्त तूफानी गतिविधि को देखते हुए मौसम विभाग ने मछुआरों को इन इलाकों में मछली पकड़ने तथा किसी तरह के व्यापार से संबंधित काम के लिए न जाने की चेतावनी जारी की है।

300 किलोमीटर साइकिल रैली निकाल कर पर्यावरण और जल संरक्षण का संदेश दिया

रोहतक। सुनो नहरों की पुकार मिशन एवं ट्रैक एंड ट्रेल रोहतक की ओर से रविवार को 300 किलोमीटर साइकिल रैली निकलकर पर्यावरण एवं जल संरक्षक का संदेश दिया गया। रैली को बीआरएम के मुख्य संयोजक आनंद गौड़ व फिल्म कलाकार रघुवेंद्र मलिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

समापन समारोह में सुनो नहरों की पुकार मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ. जसमेर सिंह व संरक्षक दीपक छारा भी मौजूद रहे। यह रैली रोहतक से शुरू होकर महम, मुंढाल, हांसी, हिसार, अग्रोहा होते हुए फतेहाबाद से वापस रोहतक पहुंची। यात्रा के समापन पर साइकिल सवारों का फूल मालाओं व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। साइकिल रैली में राजप्रकाश धनखड़, सतीश सोनी, गुरपेंद्र, अमित कादियान, नितिन अत्री, रूपेश बाली और मुकेश नैनकवाल ने 300 किलोमीटर की साइकिल यात्रा 17 घंटे 25 मिनट में पूरी की। सुनो नहरों की पुकार मिशन के महासचिव मुकेश नैनकवाल ने कहा कि यह नौवीं सुपर रेंडोनियर पूर्ण हुई है। साइकिलिस्ट राजप्रकाश धनखड़ ने अपनी पहली सुपर रेंडोनियर पूरी की। एक सुपर रेंडोनियर के लिए एक फेज में 200, 300, 400 और 600 किलोमीटर की राइड तय समय में पूरी करनी होती हैं। इसके पश्चात ही उसे सुपर रेंडोनियर के टाइटल से नवाजा जाता है।स्वागत समारोह में नहरों की पुकार मिशन एवं ट्रैक एंड ट्रेल रोहतक बाइसाइकिलिंग क्लब से जुड़े पदाधिकारी अजय हुड्डा, स्वीटी मलिक, रविंद्र मलिक, राजप्रकाश धनखड़, निर्मल पन्नु, कार्तिक, राजबीर मलिक, रणबीर सिंह, अमित कादियान, नितिन अत्री, राजेंद्र गोयल, सुरेंद्र मलिक, सुनीता, अंकित जुनेजा मौजूद रहे।

आम के आम गुठलियों के दाम से पर्यावरण संरक्षण का प्रयास

सोनीपत। स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने पर्यावरण संरक्षण के लिए आम के आम गुठलियों के दाम अभियान चलाकर एक लाख आम की गुठलियों को इकट्ठा करने का निर्णय लिया है, ताकि 10 हजार आम के पौधे उगाए जा सकें। अभियान में युवाओं के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं व जूस की दुकानों के संचालकों को भी जोड़ा जाएगा।

आम के आम गुठलियों के दाम अभियान की शुरुआत स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने मंगलवार को सेक्टर-12 स्थित सामुदायिक केंद्र में मास्टर दिलबाग सिंह की अध्यक्षता में की। फाउंडेशन के सदस्य मोक्ष ग्रोवर ने सभी सदस्यों को अभियान के बारे में जानकारी दी। मोक्ष ग्रोवर ने बताया कि इस अभियान को मुंबई की संस्था अभी एंड न्यू यूट्यूबर ने शुरू किया है। स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन भी अभियान को आगे बढ़ाकर इसकी शुरुआत कर रही है। अभियान के तहत तीन चरण रहेंगे। इनमें सबसे पहले हमें अपने घरों में आम की गुठली एकत्रित करनी होगी। उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाया जाएगा। फिर सेक्टर-12 स्थित सामुदायिक केंद्र में बनाए गए ड्रॉप बॉक्स में रख दिया जाएगा। इस प्रकार सभी अभियान में अपना सहयोग कर सकते हैं। फाउंडेशन एक लाख आम की गुठलियां एकत्रित कर इनमें से उच्च स्तर की गुठलियों का निकालकर 10 हजार आम के पौधे उगाएंगी। जिन्हें मुंबई स्थित संस्था को भेजा जाएगा। अभियान में 50 से अधिक युवा जुड़ चुके हैं। इस दौरान डॉ. मीनू अग्रवाल, प्रियंका, रमेश जैन, प्रवीण जैन, प्रेम कुमार व अक्षय चांदना मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 2500 से ज्यादा पौधे लगा चुकीं हेमलता, पहल रक्तदान के साथ पौधरोपण का दिलाया संकल्प

छत्तीसगढ़ बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को देखकर करीब 10 साल पहले पौधे लगाना शुरू किया था, जो अब पैशन बन गया है. पौधे लगाने के साथ ही बड़े होने तक उनकी सुरक्षा का दायित्व भी निभा रही हैं शहर की पर्यावरण प्रेमी हेमलता अग्रवाल. हेमलता ने बताया कि उन्हें बचपन से ही पौधों से लगाव था. स्कूल में एनसीसी जॉइन करने एवं कॉलेज की पढ़ाई के दौरान प्रदूषण नियंत्रण अभियान का हिस्सा रहीं. शादी के बाद पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते इस हॉबी के लिए समय नहीं निकाल पाई, लेकिन अब फिर से अपनी मुहिम में जुटी हैं. शहर के निजी-सरकारी स्कूल-कॉलेज, पॉर्क, बालकनी, नेहरू पार्क, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पार्क, संजय कॉलोनी, गलेथा गांव के स्कूल, पितृवन आदि जगह पर पौधरोपण कर उनकी देखभाल भी कर रही हैं. साथ ही लोगों को भी पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रही हैं. हेमलता ने नई पहल कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया. करीब 5 साल पहले रक्तदान शिविर में लोगों को पौधे भेंटकर उन्हें रोपने और सुरक्षा का संकल्प दिलाने का अभियान शुरू किया. अब तक करीब 500 से अधिक रक्तदान करने वाले लोगों से शहर में कई जगह पौधरोपण करवा चुकी हैं. जन्मदिन एवं अन्य अवसरों पर भी लोगों को पौधे भेंट कर रही हैं.

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए गवर्नर के हाथों कौशल सम्मानित

मेदिनीनगर राजभवन में 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पलामू के लाल ट्री मैन पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राजभवन में राज्यभर के कई सामाजिक कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भेज कर बुलाया गया था।

राज्यपाल ने मन की बात कार्यक्रम के समापन के बाद पलामू के लाल कौशल किशोर जायसवाल को निजी खर्च पर निशुल्क पौधा वितरण सह रोपन, वनों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी का आयोजन में अबतक 56 वर्षों में 50 लाख पौधों का अभियान चलाकर ब्लैक शैडो जोन पलामू क्षेत्र समेत देश के 22 राज्यों के 108 जिलों और विदेशों में भी जाकर पौधा लगाने और जल, जंगल बचाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। इस दौरान वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने राज्यपाल को आवेदन देकर कहा कि पलामू प्रमंडल, रांची एवं नेतरहाट पहाड़ के नीचे होने एवं कर्क रेखा के ऊपर से गुजरने के कारण तथा बड़े पैमाने पर प्रकृति के दोहन से हुई जलवायु परिवर्तन से देश का सबसे अधिक गर्म होने वाला जिला में शुमार हो गया है। आज पूरे देश में पानी पंचायत नीति लागू हो गई है। उसी के तहत जल जीवन मिशन का कार्य पूरे देश में युद्ध स्तर पर केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा है।

पर्यावरण प्रदूषण व बचाव पर बीएमएस की संगोष्ठी

कोरबा । वर्तमान में जी 20 समूह के देशों की बैठक की मेजबानी भारत कर रहा है, इसके तहत एल 20 समूह की बैठक भी चल रही है। देश का सबसे बड़ा मजदूर संगठन होने की वजह से भारतीय मजदूर संघ इन बैठकों की अध्यक्षता कर रहा है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंड्या बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी पर्यावरण मंच द्वारा एल 20 की बैठक विभिन्न जिलों में कराने का निर्णय लिया गया है।

इसमें में पर्यावरण प्रदूषण का लोगों पर प्रभाव व इससे बचाव के उपाय, तथा इससे संबंधित अन्य विषयों पर भी चर्चा करने के लिए भारतीय मजदूर संघ जिला कोरबा द्वारा 28 मई को भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन (बीएमएस) कार्यालय एसईसीएल रोड मुड़ापार कोरबा में गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल व राष्ट्रीय पर्यावरण मंच प्रभारी लक्ष्मण चंद्रा समेत विभिन्न उद्योगों, महासंघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के साथ जहर मुक्त खेती अपनायें - धर्मबीर सिंह

भिवानी धरा पर मानव जीवन को यदि बचाए रखना है तो हम सबको मिलकर प्रकृति से मैत्रीपूर्ण भाव रखना होगा। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। ये विचार सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने नेहरू युवा केंद्र में स्टैंड विद नेचर द्वारा आयोजित 10वीं पर्यावरण पंचायत में बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि हम अपने घर से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि आज हम अधिक उत्पादन की होड़ में अंधाधुंध कीटनाशकों एवं रसायनों का प्रयोग कर रहे हैं जिसके कारण धरती विषैली होकर जहर उगल रही है। उन्होंने कहा कि नीम वट और पीपल के साथ-साथ अधिक से अधिक फलदार एवं छायादार पेड़ पौधे लगाएं। मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद भिवानी के चेयरमैन प्रतिनिधि व पार्षद भवानी प्रताप इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सोनल मेहता केलिए प्रतीक्षा ग्राफिक्स, 127 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 209-बी शहनाई रेसीडेंसी-2 कनाड़िया रोड इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: डॉ. सोनल मेहता फोन : 0731-2595008 Mail.sonal12mehta@yahoo.co.in 9755040008